PGCBHT

बांग्ला–हिंदी अनुवाद में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट कार्यक्रम
(पी.जी.सी.बी.एच.टी.)

सत्रीय कार्य
2025

(जनवरी 2025 और जुलाई 2025 सत्रों में
प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए)

अनुवाद अध्ययन और प्रशिक्षण विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110 068

Scanned with CamScanner

बांग्ला–हिंदी अनुवाद में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट कार्यक्रम
(पी.जी.सी.बी.एच.टी.)
सत्रीय कार्य 2025

(जनवरी 2025 और जुलाई 2025 सत्रों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए)

कार्यक्रम कोड : पी.जी.सी.बी.एच.टी.

प्रिय विद्यार्थियो,

जैसा कि 'बांग्ला–हिंदी अनुवाद में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट कार्यक्रम' (पी.सी.बी.एच.टी.) की 'कार्यक्रम दर्शिका' में आपको बताया गया है कि इस अध्ययन कार्यक्रम में पढ़ाई के साथ–साथ आपको कुछ सत्रीय कार्य भी करने हैं। चार पाठ्यक्रमों वाले इस कार्यक्रम के तीन पाठ्यक्रमों के अंतर्गत आपको एक–एक सत्रीय कार्य करना होगा और चौथा पाठ्यक्रम 'अनुवाद परियोजना' से संबंधित है। सत्रीय कार्य आपकी आंतरिक परीक्षा है। अतः इन्हें ध्यानपूर्वक और पूरे परिश्रम के साथ करें। प्रत्येक सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम के सत्रीय कार्य आप अपनी सुविधा के अनुसार अलग–अलग प्रस्तुत कर सकते हैं और एक साथ भी प्रस्तुत कर सकते हैं! सत्रीय कार्य प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि इस प्रकार हैं :

पाठ्यक्रम कोड एवं शीर्षक	प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	
	जनवरी 2025 में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए	जुलाई 2025 में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए
एम.टी.टी.–001 भारतीय भाषाओं में अनुवाद	31.03.2025	30.09.2025
एम.टी.टी.-002 बांग्ला–हिंदी अनुवाद : तुलना और पुनःसृजन	31.03.2025	30.09.2025
एम.टी.टी.–003 बांग्ला–हिंदी के विभिन्न भाषिक क्षेत्रों में अनुवाद	31.03.2025	30.09.2025

उद्देश्य : प्रस्तुत कार्यक्रम के अंतर्गत आपको भारतीय भाषाओं में अनुवाद, बांग्ला–हिंदी अनुवाद : तुलना और पुनःसृजन के साथ–साथ इन भाषाओं के विभिन्न भाषिक क्षेत्रों में अनुवाद का अभ्यास कराया गया है। सत्रीय कार्य का मुख्य उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और उसे कहाँ तक व्यवहार में ला सकते हैं। यानी आपको इस योग्य बनाना है कि अध्ययन के दौरान जो जानकारी आपको प्राप्त हुई है उसे अपने शब्दों में विधिवत प्रस्तुत कर सकें और अनुवाद कार्य में उसे व्यवहार में लाते हुए अच्छा अनुवाद कर सकें।

सत्रीय कार्य करने से पहले कुछ बातें

1) उत्तर के लिए फुलस्केप कागज का ही इस्तेमाल करें।

2) प्रत्येक सत्रीय कार्य के लिए अलग उत्तर–पुस्तिका बनाएँ। इस तरह आपके तीन सत्रीय कार्यों के लिए तीन उत्तर–पुस्तिकाएँ होनी चाहिए।

3) अपनी उत्तर–पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ के दाहिने कोने के सबसे ऊपर अपना नामांकन संख्या, पूरा पता लिखें तथा तिथि सहित हस्ताक्षर करें।

Scanned with CamScanner

4) अपनी उत्तर–पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ के बाएँ कोने पर कार्यक्रम का शीर्षक, पाठ्यक्रम का कोड, उसका शीर्षक, सत्रीय कार्य कोड तथा अध्ययन केंद्र का नाम/कोड लिखें।

आपका सत्रीय कार्य इस प्रकार आरंभ होना चाहिए :

कार्यक्रम का शीर्षक : ..... नामांकन संख्या : .....

नाम : .....

पता : .....

.....

पाठ्यक्रम कोड :.....

पाठ्यक्रम का शीर्षक : .....

सत्रीय कार्य कोड : ..... हस्ताक्षर :.....

अध्ययन केंद्र का नामः ..... तिथि : .....

---

5) पाठ्यक्रम के कोड तथा सत्रीय कार्य के कोड सत्रीय कार्य पर मुद्रित होते हैं और वहाँ से देखकर लिखे जा सकते हैं। प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।

6) अपने उत्तर केवल फुलस्केप कागज पर लिखें और उन्हें अच्छी तरह नत्थी कर दें। बहुत पतले कागज पर न लिखें। बायीं ओर 4 से.मी. का हाशिया छोड़ दें। एक उत्तर और दूसरे उत्तर के बीच कम से कम 4 पंक्तियों का स्थान छोड़ें। ऐसा करने से परीक्षक उचित स्थान पर अपनी टिप्पणी दे पाएँगे।

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

- सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार उत्तर लिखिए। व्यावहारिक प्रश्नों के उत्तर समुचित कोश का उपयोग करते हुए प्रसंग और संदर्भानुसार देने हैं।
- प्रत्येक सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़ें और उसमें यदि कोई विशेष निर्देश दिए गए हों तो उनका पालन करें। सत्रीय कार्य जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें पढ़ लें। प्रश्न के संबंध में महत्वपूर्ण बातों को नोट कर लें, फिर उनको व्यवस्थित करके अपने उत्तर की रूपरेखा बनाएँ।
- जब आपको विश्वास हो जाए कि जो उत्तर आप देने जा रहे हैं संतोषजनक हैं, तब उन्हें साफ–साफ लिखें और जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित कर दें।
- अनुवाद के व्यावहारिक प्रश्नों को करते समय 'कोश' का भरपूर प्रयोग करें। विषय एवं संदर्भ का विशेष ध्यान रखें। बांग्ला और हिंदी के कथनों की तुलना करें। यह देखें कि अनुवाद से वही अर्थ निकल रहा है जो मूल सामग्री से निकलता है। यह भी सुनिश्चित करें कि आपका अनुवाद लक्ष्य भाषा की उपयुक्त शैली के अनुरूप है, स्रोत भाषा की छाया मात्र नहीं। अनुवाद में मूल लेखन की–सी सहजता लाने के लिए अपनी कल्पनाशीलता और लेखन–क्षमता का उपयोग करें।
- निबंधात्मक प्रश्नों का उत्तर देते समय प्रस्तावना और निष्कर्ष के संबंध में विशेष ध्यान दें। प्रस्तावना संक्षेप में होनी चाहिए। इसमें यह बताएँ कि प्रश्न से आप क्या समझते हैं और आप क्या लिखने जा रहे हैं। निष्कर्ष में आपके उत्तर का सार होना चाहिए। उत्तर सुसंगत और सुसंबद्ध हों। वाक्यों और अनुच्छेदों में परस्पर तालमेल होना चाहिए। उत्तर सत्रीय कार्य में दिए गए प्रश्न से संबद्ध होना चाहिए। यह देख लें कि आपने प्रश्न में निहित सभी मुख्य बातों के उत्तर शामिल किए हैं।

सत्रीय कार्य पूरा करने के बाद यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपके उत्तर तार्किक और सुसंगत हों।

Scanned with CamScanner

ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (Paragraphs) के बीच स्पष्ट क्रमवद्धता हो।

ग) उत्तर सही ढंग से लिखे गए हों तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति उत्तर के पूर्णतया अनुकूल हो।

घ) उत्तर प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबे न हों।

ङ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से वर्तनी और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

च) उत्तर अपने हाथ से लिखें। इसे मुद्रित या टाइप न करें। अपने उत्तर को विश्वविद्यालय द्वारा आपके पास भेजी गई इकाइयों से नकल न करें। यदि आप ऐसा करते हैं तो आपको कम अंक मिलेंगे।

छ) अन्य विद्यार्थियों के उत्तरों से नकल न करें, यदि यह पाया जाता है कि आपने नकल की है तो आपके सत्रीय कार्यों को अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

ज) प्रत्येक सत्रीय कार्य को अलग–अलग लिखें।

झ) प्रत्येक उत्तर के साथ उसके प्रश्न की संख्या लिखें।

ञ) सत्रीय कार्य को पूरा करके इसे अध्ययन केंद्र के पास भेज दें। अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य की उत्तर–पुस्तिका को किसी भी स्थिति में **मुख्यालय के विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग को मूल्यांकन के लिए न भेजें।**

ट) अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य को प्रस्तुत करते समय निर्धारित प्रेषण एवं पावती कार्ड पर अध्ययन केंद्र से (सत्रीय कार्य प्राप्त किए) प्राप्ति दर्ज करा लें।

ठ) यदि आपने क्षेत्र को बदलने के संबंध में निवेदन किया है तो आप अपने सत्रीय कार्यों को अपने पहले के अध्ययन केंद्र में ही तब तक भेजते रहें जब तक विश्वविद्यालय की ओर से आपको क्षेत्रीय केंद्र बदलने की सूचना नहीं भेज दी जाती।

शुभकामनाओं के साथ,

Scanned with CamScanner

बांग्ला–हिंदी अनुवाद : तुलना और पुनःसृजन (एम.टी.टी.–002)
(जनवरी 2025 और जुलाई 2025 सत्रों के लिए)

कार्यक्रम कोड : पी.जी.सी.बी.एच.टी.
पाठ्यक्रम कोड : एम.टी.टी.–002
सत्रीय कार्य : एम.टी.टी.–002/एएसटी/
(टी.एम.ए)/2025

अधिकतम अंक : 100

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10x2

1- बांग्ला और हिंदी में क्या भाषिक समानताएं हैं, उदाहरण सहित बताएं।

अथवा

मुहावरा और लोकोक्ति में अंतर स्पष्ट करते हुए बांग्ला और हिंदी की लोकोक्तियों में समानता और भिन्नता स्पष्ट करें।

2- हिंदी और बांग्ला में अनुवाद की परंपरा के बारे में समझाएं।

अथवा

बांग्ला और हिंदी में व्याकरणिक शब्दभेद स्पष्ट करें।

3- निम्नलिखित बांग्ला शब्दों के हिंदी पर्याय लिखें। 10

কাছে	চোখ	বুক	বাঁশ	গোঁফ
লেঠেল	কাপড়	গাছ	ফোস্কা	জায়গা
ছাহট	পুকুর	ঠিকানা	হাতুড়ী	পুতুল
ঠাকুরঝি	দাদা	ব্যস্ত	ঘুম	রাগ

4- निम्नलिखित हिंदी शब्दों के बांग्ला पर्याय लिखें। 10

चांद	पचपन	जाना	सफेद	चम्मच
कितना	कहो	पैदल	शर्म	छोटा

Scanned with CamScanner

बच्चा	आग	चेहरा	गुस्सा	पानी
बाल	सवेरे	अध्यक्ष	सफलता	गीत

5- निम्नलिखित बांग्ला वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए। 10

(क) অমিত বাড়ী যাবে না।

(খ) এ সব আমি পছন্দ করি না।

(গ) পথে আমার কোনো কষ্ট হয়নি।

(ঘ) সে নিজের বাড়ী চলে গেলো।

(চ) আজকে শহরে ধর্মঘট, এইজন্য সব য়াতায়াত বন্দ।

(ছ) উর সংগে আমার আলাপ নেহট কিন্তু উ আমার ওর বিয়েতে নিমন্ত্রণ করেছে।

(জ) যে লোকটা চুরী করেছিল, ও ধরা পড়েছে।

(ঝ) তিনি খুব বিখ্যাত নাকি।

(ট) খুব হেঁটেছি বলে পায়ে খুব কষ্ট।

(ঠ) উনি এত বুদ্ধিমান যে বলতে পারি না।

6- निम्नलिखित हिंदी वाक्यों का बांग्ला में अनुवाद कीजिए। 10

(क) तुम्हारे हाथ में क्या है।

(ख) अब तुम कैसे हो।

(ग) अखिलेश शायद अब तक घर पहुंच गया होगा।

(घ) जहां मुझे जाना है, वहां तक कोई बस नहीं जाती।

(च) हैरी पॉटर बच्चों में बहुत लोकप्रिय है।

(छ) अब और नहीं चला जा रहा।

(ज) अंधेरे में कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा।

(झ) तुम्हारा हालचाल पूछने के लिए इधर चला आया।

(ट) हर बात को हल्के ढंग से लेना ठीक नहीं।

(ठ) अब फिर कब मुलाकात होगी।

Scanned with CamScanner

7- निम्नलिखित बांग्ला पद्याशों का हिंदी में अनुवाद कीजिए। 10x2

(क) শেষ পর্যন্ত মা মারা গেল। চন্দন তখন হটটটর্া বাহটপাসে। গাড়ী চলাচ্ছিল চৌধুরীদা। দাদার বংধু। ছোটটবেলার। পুরনো পাড়াতেহট থাকে। লাল সিগনলে একটটা ঝাঁকুনী দিয়ে গাড়ীটটা থামার সঙ্গে সঙ্গেহট ফোনটটা বাজলো। দীপূর ফোন। দীপু বলেছিল, 'দাদা আর বা... যেতে হবে না। মম্স গ্রেস-এ চলে আয়। মা আর নেহট। এখানথেকেহট আমরা কেবড়াতলায় যাব।'

খবর শোনার পরহট চন্দন, এহট যন্ত্রমুগ্ধ চন্দন, কেমন যেন মন্ত্রবদ্ধ ঝিমিয়ে পড়েছিল। এতখন শরীরে জেটট লঅ্যাগ-এর ধকল, অনিদ্রা আর অনভ্য়স্ত আহারের ক্লান্তি ছিল। মনে ছিল কলকাতার কাজ আর ফিরে যাবার হিসেবে উপর। মুহূর্তে স্নায়ুগুলো যেন টটানটটান হয়ে উঠল। একটটা ফাঁক শূন্য় চেতনার পরদা ছড়িয়ে পড়ল মনের ওপর। বলল, চৌধুরীদা, আর বাড়ী য়েতে হবে না। হসপিটটলে চলো।

স্টিটয়রিংয়ে হাত রেখে চৌধুরীদা বললেন, মারা গেছেন?

হঅ্যাঁ।

মম্স গ্রেস। মায়ের আশীর্বাদ। শেষ পর্য়ন্ত ওরা তাহলে মায়ের আশীর্বাদ-এহট নিয়ে গিযেছিলো মাকে। ভাল লাগলো চন্দনের। এহট নর্সংগহোমে অনেক সুবিধে ... ভাল পরিসেবা পাবা য়ায। বিভিন্ন উষুধপত্রত্র আর ব্লিচিংয়ের গন্ধ এখানে নেহট। অনেকটটা লম্বা লেন, স্ট্রেচারের ওপর শুয়ে আছেন বাসন্তী দেবী।

চন্দন সামনে এসে দাঁড়াতে, মূখের ওপর থেকে সাদা কাপড়টটা সাবধানে নামিয়ে দিল দীপূ। ফরসা মুখ, ছোটট করে চূল কাটটা, চোখের নিচ থেকে গলা পর্যন্ত বলিরেখা, সবহট ঠিক আছে।

(ख) গিরিবালা স্বপ্ন দেখেছিলঃ

ভূষন এসেছে। খবর নেহট, বার্তা নেহট, ছূটট করে এসে গেলো ভূষন। এসেছে ছোট্ট ঘোড়ায। মালকোঁচা মেরে ধূতি পরেছে। পিরেনটটা ধূতির ভিতর গোঁজা। তার উপর বুক-খোলা আলপাকার কোটট। কোটের ভিতর-পকেটট থেকে স্টেটথিস্কোপের হলদে ডান্ডির উপর বসানো ... দাঁতের মুখ দূটেটা উঁকি মারছে। পাযে গার্ডার-দেওযা মোজা আর ডার্বি জূতো আর মাথায সোলার হঅ্যাটটটুটপি। নতুন কেনা ঘোড়ার জিনের এক পাশে কালো একটটা বাক্সটট আংটটায় ঝোলানো। গিরিবালা চিনল, ওটটা ভূষনের চিরসঙ্গী হোমিওপঅ্যাথী ওষূধের বঅ্যাক্সটটা। কিন্তু জিনের ওপাশে চকচক করছে ওটটা কি। গিরিবালা আশ্চয হলো। ঠাহর করে চেযে দেখলে, ওটটা সাহটনবোর্ড। নতূন লেখা রূপালী আর সোনালী অক্ষরগুলোয় রোদ

Scanned with CamScanner

পড়ে চিকচিক করছে। আর্ত কল্যাণ দাতব্য় চিকিৎসালয়। কলিকাতা কলেজের পাস-করা, গোল্ডমেডেলপ্রাপ্ত, ভূতপূর্ব হাউস ফিজিশিয়ান ডাঃ ভূষনচন্দ্র বসূ, এম.বী. (হোমিও)। সাহটনবোর্ডটা বাংলায় লেখা, তাহট গিরিবালা পড়তে অসুবিধা হল না। কিন্তু গিরিবালার বিদ্যায় সব কথার মানে বুঝতে পারল না।

তবে এহট সব সাহটনবোর্ড তো সচরাচর দোকানেহট টটাঙানো থাকে। অন্তত গিরিবালা তো তাহট দেখে এসেছে বরাবর। ঘোড়ার পিঠে আবার সাহটনবোর্ড ঝোলায় কে। তাও শ্বশূরবাড়ি আসাবার সময়। না না, শ্বশুরবাড়ীতে বিজ্ঞাপন দিতে আসে নি ভূষণ। ঝিনেদার এক চিত্রত্রালয়ের মালিকের কঠিন অসূধ হয়েছিল, ভূষণে চিকিৎসায় ভাল হয়ে উঠছে, পয়সাকড়ি দিতে দিয়ে যাবেন ডাক্টারকে, ভলবেসে সাহটনবোর্ডখানা লিখে দিয়েছে। পাঁচখানে গ্রামের মধ্য়ে দিয়ে যাবেন ডাক্তরবাবূ। দেখূক না লোকে।

8- निम्नलिखित हिंदी वाक्यांश का बांग्ला में अनुवाद कीजिए। 10

पलटू प्रसाद बचपन से परेशान रहे हैं, अपने नाम को लेकर। स्कूल में सहपाठियों से लेकर टीचर तक उन्हें पलटू बुलाते। हमउम्र उसमें निखट्टू और जोड़ देते। पलटू को लगता कि सब राष्ट्रीय साजिश के अंतर्गत उसका मजाक उड़ा रहे हैं। हर बच्चा अपने मां-बाप को कोसता है। इसीलिए कहा जाता है कि बच्चे देश का भविष्य हैं। शायद अ पने माता-पिता की गलती न दोहराएं। पलटू अक्सर कोसने की हकत दोहराते। दुनिया में इतने नाम हैं, फिर यह पलटू ही क्यों। जब उनका जन्म हुआ था, तब व पन्ने पलटने के काबिल भी न थे। खुद भी अपने आप को कहां पलट पाते होंगे। दुबले-पतले पलटू दूसरे को क्या पलटते।

उन्हें साथियों के उपहास पर गुस्सा आता। दिल में होता कि एकाध हाथ जड़ दें, पर मन मसोस कर रह जाते। क्या करें। पिटने से भला चुप रहना है। अहिंसा कमजोर की ताकत है। वह सबको बताते हैं कि उन्हें मार-पीट से चिढ़ है। फरेब इन्सानी व्यक्तित्व का आभूषण है। कुछ भी कह दो, कोई यकीन करे न करे।

वे अक्सर मनाते कि उनको सताने वालों के हाथ-पैर टूटें। कभी सड़क पार करते वक्त कार उन्हें कुचले, नहीं कम-से-कम टक्कर तो मार ही दे। इम्तिहान में नकल करना तो सामान्य प्रक्रिया है। कुछ हो कि ये दुष्कर्मी पकड़े जाएं। उन्हें सजा मिले। उन्होंने मास्टरों को अपनी बद्दुआओं से बख्श रखा था। उन बेचारों का क्या कसूर। वे तो उनका नाम ही पुकारते हैं। असली अपराधी तो उनके मां-बाप हैं।

Scanned with CamScanner

9- निम्नलिखित मुहावरों/ लोकोक्तियों का हिंदी में अनुवाद कीजिए। 10

তিন হাত চাদর দিয়ে কি চার হাত বিছানা ঢাকা যায়।

জলে বাস করে কুমীরের সংগে বিবাদ।

দুধ দেয় যে গরু তার লাথিও ভাল।

ছুঁচো মারা হাত গন্ধ করা।

ওঠ ছোড়ি তোর বিয়ে।

কত ধানে কত চাল জানে না তো।

কোথায় রাজা ভোজ আর কোথায় গংগারাম তেলী।

কুওর বৈংঙ।

উল্টেট চোর গেরস্থকে বাঁধে।

কাচটা ঘাযে নুনের ছিটেট।

Scanned with CamScanner